कार्यालय नगर निगम, देहरादून।

(का0– 0135–2714074 फैक्स– 0135–2651060 ई–मेल– (nagarnigam.ddn@gmail.com)
टोल फ्री नं0 - 1800-180-4153 कन्ट्रोल रुम - 1800–180–4206
दूरभाष–0135-2655620, 265352 2658204 फैक्स–0135-2651061

पत्रांक: V-IV-1430/17-18 दिनांक: 20/2/18

प्रेषक,

कर अधीक्षक,
नगर निगम, देहरादून।

प्रेषित

श्री/श्रीमती सुनील अग्रवाल
S/o स्व. प्रेम चन्द अग्रवाल
R/o 33/22 नेमी रोड

विषय: सम्पत्ति सं0 33/22 नेमी रोड सम्पूर्ण/भाग का नामान्तरण।

महोदय,

उक्त सम्पत्ति के सम्पूर्ण/भाग को अपने नाम अंकित करवाने हेतु आप द्वारा प्रस्तुत विक्रय पत्र, लीज पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, अनापत्ति प्रमाण पत्र, उपहार पत्र, अधिकार मुक्ति पत्र, वसीयत पत्र, वारिसान पत्र, न्यायालय निर्णय, पारिवारिक बंटवारा पत्र तथा नगर आयुक्त/अपर नगर आयुक्त/उप नगर आयुक्त/सहायक नगर आयुक्त/नायब तहसीलदार के आदेश दिनांक 12-2-18 के अनुसार नामान्तरण, अनापत्ति/ आपत्ति रजिस्टर 06 के पृष्ठ सं0 25 क्रम सं0 287 के आधार पर उक्त सम्पत्ति निगम अभिलेखों में आप के नाम अंकित कर दी गयी है, जो निम्न प्रकार है।

सम्पूर्ण

नोट–नगर निगम द्वारा नामान्तरण केवल कर वसूली हेतु ही किया जाता है।

भवदीय,

20/2/18

कर अधीक्षक
नगर निगम, देहरादून।

UTTAR PRADESH 2336 500 Rs.

हम कि १.श्री बिहारीलाल दौलतराम .२.श्री अर्जनदास दौलतराम.३.श्री कृष्णदास दौलतराम निवासी कैपड़ो बिल्डिंग फ्लेट नम्बर ६ मानवमन्दिर रोड मालाबारहिल बम्बई नम्बर ६.द्वारा अपने मुख्तार खास श्री धर्म दास पुत्र लाला हरी चन्द निवासी मोहल्ला करनपुर देहरादून.मुख्तारनामा खास दिनांक ११.११.१९६६ईसवी दस्तावेज नम्बर १०३२ सन ६६ जिसकी रजिस्टरी कार्यालय सब रजिस्ट्रार बम्बई में दिनांक ११.११.१९६६ ईसवी को हुई के आधार पर.४.श्री श्यामलाल दौलतराम निवासी मारफत मैसर्स दौलतराम रामचन्द्र क्रर्स दूसरा मंजिल गिरगांव रोड बम्बई नम्बर ९. द्वारा उपरोक्त श्री धर्मदास मुख्तार खास .मुख्तार नामा खास दिनांक १०.१२.१९६६ईसवी के आधार पर .जिसकी तसदीक व रजिस्टरी दिनांक १०.१२.१९६६ ईसवी को रजिस्ट्रार व प्रेजिडेन्सी मैजिस्ट्रेट एसप्लेनेड बम्बई में.हुई व ५.श्री दौलतराम मोहनदास बैंकर्स क्लाथ मरचैन्ट कैपड़ो बिल्डिंग फ्लेट नम्बर ६ मानव मन्दिर रोड मालाबारहिल बम्बई नम्बर ६.द्वारा अपने मुख्तार खास उपरोक्त श्री धर्मदास .मुख्तार नामा खास दिनांक

Dharamdas

UTTAR PRADESH

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.

Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

३०.९.१९५५ ईसवी के आधार पर जिसकी रजिस्टरी बही नम्बर ४ की जिल्द २९४ के पन्ने ९० व ९१ पर नम्बर २२८ दिनांक ५.१०.१९५५ ईसवी को कार्यालय सब रजिस्ट्रार देहरादून में हुई है............विक्रेतागण.

जो कि पहले यह नीचे लिखी सम्पत्ति को भूमि विक्रय पत्र दिनांक ११.४.१९३८ ईसवी द्वारा जिसकी रजिस्टरी बही नम्बर १ की जिल्द २४३ के पन्ने ३२,३३ दिनांक १.५.१९३८ ईसवी को हुई श्री फैयाज़ खां ठेकेदार ने मैसर्स भगवान दास एन्ड को० लिमिटेड देहरादून व सै० राम किशोर आदि मालकाना डालन वाला स्टेट से खरीद कर उस पर वर्तमान कोठी बनवाई. उसके पश्चात विक्रय पत्र दिनांक १८.९.१९४२ ईसवी द्वारा जिसकी रजिस्टरी बही नम्बर १ की जिल्द २८२ के पन्ने ३८८ से ३९९ पर नम्बर ९८८ दिनांक २९.९.१९४२ ईसवी को हुई बकरारी उपरोक्त श्री० फैयाज़ खां वल्द जहांगीर खां पेशा ठेकेदारी निवासी डालन वाला देहरा दून बहक विक्रेता नम्बर ५ श्री दौलतराम मोहनदास करता खानदान श्री० दौलतराम मोहनदास ने यह सम्पत्ति हर प्रकार के भार आदि से मुक्त खरीद

Dharamdas

UTTAR PRADESH

500 Rs

INDIA NON JUDICIAL

५००रु.

Rs500

भारत

पाँच सौ रूपया FIVE HUNDRED RUPEES

को व उसके पश्चात स्वार्ड के आधार पर बनी डिगरी मुकदमा नम्बर २७ सन १९५३ ईसवी उच्चतम न्यायालय बम्बई श्री श्यामलाल दौलतराम बनाम श्री दौलतराम मोहनदास आदि दिनांक १९.१०.१९५३ ईसवी के अनुसार विक्रेता नम्बर ४ श्री श्यामलाल दौलतराम इस सम्पति के स्वामी हुए. उसके पश्चात उच्चतम न्यायालय बम्बई का डिगरी मुकदमा नम्बर ३३९ सन १९५८ ईसवी श्री बिहारीलाल दौलतराम आदि बनाम दौलतराम मोहन दास आदि दिनांक १२.५.१९६० ईसवी के अनुसार जो फैसला सालसी के आधार पर दी गई इस सम्पति के स्वामी विक्रेता नम्बर १ता ३घोषित किये गये. इस प्रकार हम विक्रेता नम्बर १एक ता ३तीन इस सम्पति के स्वामी हैं और हम विक्रेता नम्बर१,३ने द्वारा विक्रेता नम्बर ५इस सम्पति को अंकन ४५००० रुपये पैंतालीस हजार रुपये में बेचने को प्रतिज्ञा श्री प्रेम चन्द अग्रवाल के साथ करके उनसे १०००० रुपये दस हजार रुपये अग्रिम रूप में पहले नीचे लिखे अनुसार प्राप्त किये हुये हैं. खरीदार अपने विश्वास के लिये

Dharamdas

UTTAR PRADESH

500 Rs.

हम सब विक्रेतागणों से विक्रय पत्र सम्पादन व रजिस्टरी कराना चाहते हैं. और हम सब इस पर सहर्ष सहमत व रजामन्द हैं. और हम सब विक्रेतागणों ने विक्रय पत्र संपादन व रजिस्टरी करने के लिये उपरोक्त श्री धर्मदास को अपना मुख्तार खास उपरोक्त मुख्तारनामों द्वारा नियुक्त किया है. और उनको विक्रय पत्र सम्पादन व रजिस्टरी करने व रुपया प्राप्त करने का अधिकार जो विक्रेता नम्बर १ता ३ने पाने हैं दे दिया हुआ है. इस प्रकार केवल हम विक्रेतागण नम्बर १ता ३इस सम्पति के पूर्ण स्वामी हैं. और यह सम्पति हर प्रकार के भार कुर्की जमानत व रहन आदि से मुक्त है किसी प्रकार के बन्धन में बन्धी हुई नहीं है और हमें इसको हर प्रकार हस्तांतर करने का पूरा हक व अधिकार है. अतः अब हम सब विक्रेतागणों ने यह नीचे लिखी सम्पति हर प्रकार के भार आदि से मुक्त अपने कुल अधिकार स्वामित्व. व आधिपत्य निकास हवा पानी रास्ता व रोशनी आदि आदि सहित

Dharamdas

UTTAR PRADESH

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५००रु. Rs500

भारत

पाँच सौ रुपया FIVE HUNDRED RUPEES

बिना कुछ छोड़े हुए जो भी हम सब विक्रेतागणों को सामूहिक रूप से अथवा
पृथक पृथक प्राप्त हैं प्राप्त होने वाले हों या प्राप्त हो सकते हैं. वह सब
अंकन .४५००० रुपये पैंतालीस हजार रुपये में जिसके आधे अंकन २२५०० रुपये
बाईस हजार पांच सौ रुपये होते हैं. उपरोक्त श्री प्रेम चन्द अग्रवाल सुपुत्र
स्वर्गीय लाला काशी राम निवासी सुरब्बा मौहल्ला देहरादून को पूर्ण रूप
व हर प्रकार से विक्रय कर दी व बेच दी है और इसकी कुल कीमत ४५००० रु.
पैंतालीस हजार रुपये विक्रेता नम्बर १ ता ३ ने खरीदार महोदय से नीचे
लिखे अनुसार प्राप्त किये हैं. जो हम सब विक्रेतागण स्वीकार करते हैं. कुछ
शेष नहीं रहा है. यह सम्पति कुल हमारे ही कब्जे में है अन्य किसी का
कब्जा नहीं है. चुनांचे हर प्रकार से अपना कब्जा व दखल वाकई व मालकाना
हमने इस विक्रीत सम्पति से उठाकर खरीदार महोदय को दे दिया है और
अब वह पूर्ण रूप से इस सम्पत्ति के पूर्ण स्वामी सत्ता व स्वामित्वारूढ़ हो
गये हैं उनको पूर्ण अधिकार है कि वह जिस प्रकार चाहे इससे लाभ उठावे
व अपने उपयोग व उपभोग में लावे चाहे हस्तान्तरण आदि करे हमें कोई
आपत्ति किसी प्रकार की नहीं होगी. हम विक्रेतागणों में से किसी का भी

Dharamdas

UTTAR PRADESH 200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

पृष्ट.६.

कोई सम्बन्ध किसी प्रकार का इस विक्रीत सम्पति से नहीं रहा है.यदि कोई व्यक्ति हमारा साझी व भागी बनकर इस सम्पति पर अपना हक व अधिकार बतलावे तो उसका उतरदायित्व हमारे ऊपर होगा विक्रीत संपति व खरीदार महोदय से उसका कोई सम्बन्ध न होगा .और यदि जिसकी आशा नहीं है किसी प्रकार भी हमारे अधिकार में कमी होने से यह संपति अथवा इसका कोई भाग खरीदार महोदय के अधिकार से निकल जावे या उनको हानि पहुंचे तो हम विक्रेतागण उसके जिम्मेदार होगे और खरीदार महोदय को अधिकार होगा कि वह ऐसी राशि यथार्थ हरजे व एक रूपया सैकड़ा माहवारी ब्याज सहित हमारे से सामूहिक रूप से अथवा पृथक पृथक अपनी इच्छानुसार वसूल कर ले .हममें से किसी विक्रेता को कोई आपति नहीं होगी.सिटी बोर्ड के व सरकारी कुल टैक्स व बिजली पानी का खरचा सब हमने आज तक का अदा कर दिया है.यदि कुछ शेष हुआ तो वह हम अदा करेंगेऔर आज से भविष्य में खरीदार महोदय देवेगे.यदि खरीदार महोदय को अपने विश्वास के लिये हमारे से इस विक्रीत सम्पति के सम्बन्ध में अन्य कोई लेख वैधानिक रूप से लिखाना जरूरी हो तो हम ऐसा लेख

Dharamdas

UTTAR PRADESH 200 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

खरीदार महोदय के जो खर्चे से उनके हक में लिख देंगे कोई आपत्ति नहीं करेंगे. यह भी स्पष्ट किया जाता है कि हम विक्रेतागण व्यापारी वर्ग के व्यक्ति हैं और सब बम्बई निवास करते हैं. विक्रेता नम्बर १ता ३को इस सम्पति से कोई विशेष लाभ नहीं था इसका प्रबन्ध करना भी कठिन है और व्यय अधिक होता है इस सम्पति को बेचकर रुपया कारोबार में लगाना जो हमारा पैत्रिक व्यवसाय है विक्रेता नम्बर १ता ३के लिये लाभप्रद है इसी उद्देश्य से यह सम्पति बेची गई है. भूमि पूर्ण स्वामित्व की है. इस पर कोई लगान आदि नहीं है. हमारे और खरीदार महोदय में दोनों के उत्तराधिकारी व स्थानापन्न भी शामिल हैं.........................

विवरण इस विक्रीत सम्पति का यह है.

कुल सम्पति जिसका सिटी बोर्ड का नम्बर २२बाईस नेमी रोड देहरादून है जिसमें मेन बिल्डिंग व सर्वेन्ट क्वार्टर्स व अन्य मकानात आदि हैं और बिजली व पानी लगा हुआ है नीचे व सम्बन्ध की लगभग ६ छै बीघे २ दो बिस्वे भूमि खसरा नम्बर ३००तीन सौ व ३०९तीन सौ नौ स्थित नेमी रोड हाल

Dharamdas

UTTAR PRADESH 20Rs.

बीस रुपया

२०रु. भारत INDIA 20RS

TWENTY RUPEES

वाला देहरादून.इस विक्रय पत्र के साथ नत्थी मानचित्र के अनुसार जो मान. चित्र में लाल रंग की रेखाओं से घेर कर दिखलाई गई है.जिसके पूर्व में नदी रिसपना व अहाता पं० गोकरन नाथ..पश्चिम में कोठी व अहाता भगवान दास बैंक..उतर में नेमी रोड..दक्षिण में कोठी व अहाता पं० काशीनरायन वाला है..

विवरण कीमत की वसूलयाबी का इस प्रकार है.

५००० रुपये पांच हजार रुपये पेशगी दिनांक १२.८.१९९६ ईसवी को ड्राफ्ट पंजाब नेशनल बैंक पल्टन बाजार देहरादून का ऊपर पंजाब नेशनल बैंक ... लिमिटेड बम्बई ....

५००० रुपये पांच हजार रुपये दिनांक ३०.९.१९९६ईसवी को इस प्रकार कि २००० रुपये दो हजार रुपये नकद व ३००० रुपये तीन हजार रुपये का ड्राफ्ट उपरोक्त बैंक का जारी किया हुआ.व उपरोक्त बैंक के नाम का.

इस प्रकार कुल १०००० रुपये दस हजार रुपये बयाने में ....

१०००० रुपये दस हजार रुपये ड्राफ्ट नम्बर ०५८८९२,३५६ इलाहाबाद

TAR PRADESH 5 RS
INDIA
पाँच रुपया पाँच रुपया
FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

पृष्ट.६.

बैंक मुरादाबाद ....

५००० रुपये पांच हजार रुपये का ड्राफ्ट नम्बर ०५८८६३,३५७ ⁝ इलाहाबाद बैंक मुरादाबाद
३००० रुपये तीन हजार रुपये का ड्राफ्ट नम्बर ०५८८६४,३५८ ⁝

३००० रुपये तीन हजार रुपये का चैक पंजाब नैशनल बैंक आढ़त बाजार देहरादून नम्बर पी.ई पी ७५०००४..............................

१४००० रुपये चौदह हजार रुपये नकद. इस प्रकार कुल ३५००० रुपये पैंतीस हजार रुपये रजिस्टरी के समय श्रीमान सब रजिस्ट्रार महोदय देहरादून के सामने प्राप्त करने हैं: इस प्रकार कुल कीमत ४५००० रुपये पैंतालिसहजार रुपये खरीदार महोदय से प्राप्त किये. यह भी स्पष्ट किया जाता है कि उपरोक्त ड्राफ्ट क्रेता की धर्मपत्नी श्रीमती कमला अग्रवाल के नाम के हैं. उन्होंने इन्डोर्स करके खरीदार महोदय को और खरीदार महोदय ने इन्डोर्स करके मुख्त्यार श्री धर्मदास मुख्तार खास विक्रेतागणों को दिये हैं. ....

........इस वास्ते यह विक्रय पत्र लिख दिया कि सनद रहे और समय

Dhramdas

पर काम आवे.इति लिखित दिनांक १७ सतरह दिसम्बर सन १९६६ उन्नीस सौ छियासठ ईसवी.

हस्ताक्षर.... Dharamdas

पक्षेसाक्षी.
साक्षी.
F.C. Aggarwal

साक्षी.
Gokul Ram S/o Chelaram
Mali Mohalla
P.O. Hardwar

रामचन्द्र.प्रमाण पत्र लेखक.देहरादून.रचयिता./

सुशीलकुमार हिन्दी टाईपिस्ट देहरादून.

Copy of sale deed in favour of Seth Daulat Ram Mohan Dass Bombay

असल ३३७ रुपये ८ आनेके स्टाम्प पर है.

उरदू से हिन्दी लिपि.

मै कि फयाज खाँ वल्द जहाँगीर खाँ कौमे पठान पेशा ठेकेदारी साकिन डालनवाला जिला देहरादून का हूँ.

जो कि हमगी व तमामी दरोबस्त एक मंजिल कोठी बइमारत पुख्ता मय मकानात शागिरदपेशा मय जुमला हक हकूक तवाबा व लवाहका मय आराजी सहर्ना व मुतालिका मय बागीचा दरख्तान मिसमिरा व गैर मिसमिरा व आराजी नम्बरी नंबर ३०० . ३०९ मवाजी ५ बीघा दो बिस्वा खाम मुन्दर्जा नकशा खसरा बन्दोबस्त मिस्टर डैम्पियर साहब बहादुर अन्दरून आबादी वाके डालनवाला देहरादून महदूदा ज़ैल मिलकियत व मकबूजा मिनमुकिर है जो कि बजरिया बैनामा इकरारी मैसर्स भगवानदास एन्ड को० लिमिटेड बमूजिब इन्डियन कम्पनीज ऐक्ट १९१३ ई कि जिनका रजिस्टर्ड आफिस देहरादून सेठ राम किशोर साहिबान वगैरा जुमला डुरकाय डालनवाला वरसाय देहरादून मौसूमा खुद मोरखा ११ अपरेल १०३८ ई. व मुसद्दिका रजिस्टरी १७ मई सन १९३८ ईसवी रजिस्टर्ड नं० ४२७ जिल्द नं० २४३ सफेहात ३२, ३३ बतारीख यकुम जून सन १०३८ ईसवी जमीन मजकूर जर खरीद कर कोठीमजकूर और मकानात शागिरदपेशा खुद तामीर कराये और बागीचा लगाया चूंकि कोठी मजकूर मैसर्स भगवान दास कम्पनी लिमिटेड देहरादूनके पास बतरहतमस्सुक किफालत नामा, गैर दख्ली, मोरखा ५ नवम्बर सन १९४१ ईसवी मुकिर के जानिब से मकफूल व मुस्तगरक है और अलावा इसके पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड देहरादून की डिगरी नम्बर २१३ सिविल जजी देहरादून

सन १९४१ ई. का बार मुतालबा मुन्दर्जा झैल है. जो बजिम्मे मुकिर वाजिब है जिसकी अदायगी की कोई सबील न हो सकी बजुज फरोख्त कर देने कोठी मजकूर के और कोई सूरत ऐसी नजर नहीं आती है कि जिससे जुमला कर्जा मजकूर अदा करके सुबकदोष हो सकूँ जाऊँ. इस लिये एन मुकिर ने कोठी मजकूर मय जुमला इक हकूक हर किस्म के बै कर देने का मुआहिदा बिलएवज मुबलिग २२५०० रुपया बाईस हजार पाँच सौ रुपया के साथ सेठ दौलत राम मोहन दास.एम..एल.ए.

असेम्बली सिन्ध साकिन हाल हरिद्वार के कर लियाथा और बसिलसिले मुआहिदा बै मजकूरके मुबलिग पांच सौ रुपया बतौर बयाना पेशगी वसूल पालिये थे. चूंकि मुआहिदा बै करार वाकई अमल मे आ चुका है इसलिये अब उसकी तकमील बजरिया बैनामा हाजा अमल मे लाई जाती है लिहाजा बहालत सेहत नफस व सबात अक्ल बिला इकराह व जब्बार दीगरे बरजाय व रगबत खुद कोठी मजकूरमय मकानात शागिरदपेशा मय जुमला हक हकूक तवाबा व लवाहका मय आराजी तहती व मुतालिका बमूजिब नक्शा राजन मुतजकिरा बाला बमय बागीचा व जुमला हकूक आसायश व निकास पानी व हवा व रोशनी वगैरा हक रास्ता आमदोरफत गरज कि जुमला हकूक जो कुछ बरूए मुतजकिरा बालामुकिरको इसवक्ततकहासिल है या आयन्दा हों वह तमाम व कमाल बे कम व कासत ममलूका व मकबूजा खुद बिला मशारकत दीगरे जो बिला अदायगी मुतालबा जरे रहन व सूद मुतालबा डिगरी मजकूर हस्ब तफसीलझैल के हर किस्म के

बार किफालत मुआवजाजात दयून वगैरा से पाक व साफ है किलमुलिग बाईस हजार पांचसौ रुपया इस के मुन्दर्जा बालाकि निस्फ जिसके मुलिग ग्यारह हजार दो सौपचास रुपया होतेहै बदस्त सेठ दौलत राम मोहन दास ए. एल. ए. मैम्बर असेम्बली सिन्ध साहबान मौसूफ के है कतई व फरोख्त कामिल कर दी व बेच दी और जरे समन इस्के तफसील बेल वसूल पा लिया. लिहाजा कब्जा व दखल मालिकाना जायदाद मुबैया पर मुश्तरियान मौसूफान का बजाये अपने करादियाहै. अब मुकिरबाय का कुछ दावा व मुतालबा बाकी नहीं रहा सु अब मुश्तरियान को अख्त्यार हैकि जायदाद मुबैया पर बहैसियत मालिकाना काबिज व दखील रह कर जुम्ला अफाल मालिकाना अमल मे लावे और जिस तरह चाहे उससे मुस्तफीद हों अगर बरतकदीर आयन्दा कोई सहीम व शरीक हकदार हिस्सेदार वारिसान करीबी व बईदी मुकिरबाय से या कोई दीगर शख्स मुकिरबाय के जरिये वास्ता व कब्जा से पैदा होकर दावेदार हो और कुल व या जुज जायदाद मुबैया कब्जा मुश्तरियान से निकल जावे और उन को नुकसान पहुंचे तो उस सूरत मे जवाबदेही उसकी और हकरसी मुश्तरियान की हर तरह से बजिम्मे मुकिर बाय होगी और मुश्तरियान को हकहोगा कि वह जरे समन अपना कुल व या जुज जैसी भी सूरत हो मय हरजा व खरचा अदालत मुकिर व उसकी दीगर जायदाद मनकूला व गैर मनकूला व जात खास व वारिसान व कायम मुकामान से यकमुश्त वसूल करले और इस्के अपनी हकरसी पूरी कर ले.

मुकिर बाय को व उसके वारिसान को कुछ उजर न होगा..तफसील वसूली जरे समन बतौर बयाना हस्ब मुन्दर्जा बाला पेशगी वसूल पा चुका हूँ मुबलिग ५०० रु. पाँच सौ रुपया बबेबाकी मुतालबा डिगरी मुतजिकरा बाला असल व सूद पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड देहरादून को मुख्तरियान से दिलाये मुबलिग तेरह हजार एक सौ तेरह रुपया सवा पन्द्रह आना १३११३ रुपये १५ आने ३ पाई बबेबाकी जरे रहन व सूद बरुए तमस्सुक किफालतनामा . गैर दखली , हस्ब मुन्दर्जा बाला मैसर्स भगवानदास कम्पनी लिमिटेड देहरादून को मुख्तरियान से दिलाये मुबलिग ५४० रुपये ४आने पाँच सौ चालीस रुपया चारआना .बव्कत रजिस्टरी बैनामाहाजा रुबरु सब रजिस्ट्रार साहब देहरादून के मुख्तरियान से नकद वसूल होगये मुबलिग आठ हजार तीन सौपेंतालीस रुपया बारह आना नौ पाई ८३४५ रु. १२ आ.९ पा० मीजान कुल मुबलिग २२५००रु. बाईस हजार पाँच सौ रुपया .तफसील हदूद अरबा जायदाद मुबैया. मोहल्ला बाला . शरकी नदी रिसपना व अहाता पंडित गोकरननाथ गरबी कोठी व अहाता मैसर्स भगवानदास एन्डको . जनूबी कोठी व अहाता साबिक ममलूका पंडित कान्शी नारायन . शुमाली नेमीरोड. . लिहाजा यह बैनामा लिख दिया कि सनद रहे और वक्त पर काम आवे . — तहरीर तारीख अठारह १८ सितम्बर सन १९४२ ईस्वी. फकत कातब हाजा बकलम फजल उल रहमान गेसूदराज बरकोठी मुख्तरियान वाके करास रोड देहरादून तहरीर हुआ .बकलम फजलउल रहमान . नोट मुकर्रर आ कि कोठी मज्कूर मय फरनीचर मौजूदा के बै कीगयी है

तारीर तारीख सदर सन सदर . फयाज के मुकिरबाय. मुद्दई. फयाज खाँ मुकिर बार मजकूर निशान अंगूठा .दस्खत अंग्रेजी . साइन्ड फॉर दी पंजाब नेशनल बैंक लिमिटेड वी. पी. पुरी मैनेजर देहरादून. १८.९.४२ क्लैजिबिल. साइन्ड अंग्रेजी. महबूब खाँ अकाउन्टेन्ट भगवानदास एन्ड कं० लि० १८.९१९ ४२ . साइन्ड अंग्रेजी आर्य किशोर गुप्ता . एजेन्ट . फॉर दी पंजाब नेशनल बैंक लि० साइन्ड वी. पी. पुरी मैनेजिर .देहरादून १८.९.४२ .दस्तखत उरदू फयाज खाँ मुकिर बाय मजकूर निशान अंगूठा . साइन्ड महबूब खाँ १८.९.१९४२ साइन्ड आर्य किशोर गुप्ता एजेन्ट .साइन्ड उरदू फयाज खाँ मुकिरबाय मजकूर निशान अंगूठा .द.अंग्रेजी फॉर दी पंजाब नैशनल बैंक लि० मैनेजर वी.पी. पुरी. क्लैजिबिल. साइन्ड अंग्रेजी. महबूब खाँ १८.९१९४२ साइन्ड अंग्रेजी आर्य किशोर गुप्ता एजेन्ट . साइन्ड उरदू फयाज खाँ मुकिरबाय मजकूर निशान अंगूठा फॉर दी पंजाब नैशनल बैंक लिमिटेड .इन्ड वी. डी पुरी . मैनेजर देहरादून . साइन्ड महबूब खाँ १८.९.१९४२ ई. साइन्ड आर्य किशोर गुप्ता एजेन्ट . साइन्ड एस.आर. १८.९.१९४२ ई. एक किता जनरल स्टाम्प मुबलिग दो सौ रुपया का बदस्त फयाज खाँ वल्द जहाँगीर खान डालनवाला देहरादून फरोख्त किया .साइन्ड . हुकमचन्द स्टाम्प वेन्डर गवर्नमेन्ट ट्रेजरी देहरादून देहरादून .

१८.९.१९४२

एक किता जनरल स्टाम्प मुबलिग एकसौ रुपया का बदस्त फयाज खाँ वल्द जहाँगीरखान डालनवाला देहरादून फरोख्तकिया . साइन्ड अंग्रेजी हुकमचन्द स्टाम्पवेन्डर गवर्नमेन्ट ट्रेजरी देहरादून.

२०५० / १८.९.४२ स्टाम्प पेन्तीस रुपया बदस्त फयाज खां वल्द

जहांगीर खां साकिन डालनवाला देहरादून फरोखत किया .मुसद्दी

लाल देहरादून . २०५१ / १८.९.४२ स्टाम्प अढाई रुपया बदस्त

फयाज खां वल्द जहांगीरखां साकिन डालनवाला देहरादून फरोखत

किया . मुसद्दीलाल लेसन्सदार देहरादून . फीस रजिस्टरी उजरत
३२रु १०आ. १रु १४आ.

मीजान ३४ रु ८आ. फयाज खां वल्द जहांगीर खां कौम पठान पेशा

ठेकेदारी साकिन डालनवाला जिला देहरादून ने दफतर सब रजिस्ट्रार

देहरादून मे आज बतारीख १९ सितम्बर १९४२ ईसवी. मा बैन १२ व

१ बजे के दस्तावेज पेशकी. साइन्ड आई एच एस. आर.अंगूठा फयाज

खां अंगूठा . तकमील दस्तावेज से फयाजखां मजकूर उल सदर ने एकबाल

किया और मुबलिग आठ हजार तीन सौपैन्तालीस रुपया बारहआना

नौ पाई ८३४५ रुपया १२आ० ९ पा० हमारे रुबरु वसूलपाये .

मुकिर की शाखत लाला आर्य किशोर गुप्ता वल्द लाला रामजी

दास कौम वैश्य साकिन मोती बाजार देहरादून और मिस्टर बी.

एस दिनकर शर्मा वकील देहरादूनने की. साइन्ड आई एच. एस .आर.

अंगूठा फयाज खां मुकिर साइन्ड आर्य किशोर गुप्ता . साइन्ड .

बी. एस . दिनकर शर्मा वकील. गवाहान शाखत से पै वाकिफ हूं

साइन्ड आई एच एस.आर. १९.९.४२ .

बही नम्बरएक जिल्द २८२ के सफे ३८८ – ३९९ मे बनम्बर ९८८

परआज बतारीख २९ सितम्बर १९४२ रजिस्टरी कीगयी.साइन्ड आई एच

एस . आर. २८.९.४२ ई.

.....